श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोण्डा

(डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या)

“शैक्षणिक भ्रमण द्वारा व्यवहारिक ज्ञान”

शैक्षणिक भ्रमण दल: रिपोर्ट

सत्र: 2022-23 (06 मई, 2023)

द्वारा

रक्षा एवं स्त्रातजिकअध्ययन विभाग

श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोण्डा

शैक्षणिक भ्रमण दल रिपोर्ट

भारत- नेपाल अन्तर्राष्ट्रीय सीमा: रुपईडीहा बॉर्डर

भारत- नेपाल सम्बन्धों का इतिहास काफी पुरातन है। दोनों देशों के बीच विशेष पौराणिक, राजनीतिक तथा घरेलू सम्बन्ध रहे हैं। दक्षिण एशिया के महत्वपूर्ण देशों में से भारतीय परिप्रेक्ष्य में यदि देखा जाय तो नेपाल का सदैव का सदैव ही विशिष्ट स्थान रहा है। भारतीय उपमहाद्वीप में भारत के बढ़ते प्रभाव के कारण, इस सम्पूर्ण क्षेत्र में अपने प्रभाव विस्तार की महात्वाकांक्षा रखने वाले चीन के लिए भारत ही एक चुनौती है। चीन लगातार अपने वर्चस्व विस्तार के लिए भारत के पड़ोसी देशों को विभिन्न प्रकार के प्रलोभन तथा माओवादी प्रभावों से प्रेरित करके विरोधी कार्यवाही करता रहता है। नेपाल में माओवादी आन्दोलन और इस कारण भारत नेपाल सम्बन्धों में तल्खी एक लम्बे समय तक सदैव देखने को मिलती रही है। रोटी बेटी के स्तर पर नागरिकों के बीच व्यक्तिगत सम्बन्ध भी रहे हैं लेकिन सम्बन्धों का उतार चढ़ाव सदैव चिन्ता का सबब अवश्य रहा है।

भारत और नेपाल के बीच खुली सीमा है और इसी कारण राष्ट्रीय सुरक्षा के अन्तर्गत सीमा सुरक्षा का महत्व स्वतः सिद्ध है।

यही वह कारण है कि रक्षा अध्ययन के विषय विशेषज्ञ सदैव आगामी पीढ़ियों को रक्षा सम्बन्धी समस्याओं के प्रति जागरूक रखने हेतु चिन्तन करते रहते हैं।

इसी दृष्टिकोण से रक्षा अध्ययन विषय के विद्यार्थियों के लिए भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा के विविध पहलुओं को कक्षाओं में समझने के साथ साथ शैक्षणिक भ्रमण दल का भी वैकल्पिक प्रावधान किया गया है। हम भाग्यशाली हैं कि विभिन्न राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों में एक सीमा सुरक्षा के विविध पहलुओं को यथार्थ में समझने हेतु भारत नेपाल सीमा, गोंडा मण्डल के ही बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच जिलों को स्पर्श करती है।

छात्र छात्राओं को जमीनी जानकारी उपलब्ध कराने हेतु श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोंडा के रक्षा अध्ययन विभाग द्वारा बी ए बी एस सी तृतीय वर्ष के छात्र छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण दल भारत नेपाल सीमा पर स्थित एक महत्वपूर्ण ट्रांजिट बिन्दु, रुपईडीहा बॉर्डर पर ले जाया गया।

बताते चले कि भारत- नेपाल सीमा पर यह रुपईडीहा ट्रांजिट, उत्तर प्रदेश राज्य का पहला भू- बंदरगाह है। छात्र छात्राओं द्वारा बॉर्डर पिलर देखने के साथ साथ सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल के जवानों के साथ वार्तालाप करके उनकी वास्तविक चुनौतियों का जानने का प्रयास किया गया।

इस शैक्षणिक भ्रमण दल में लगभग 80 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया तथा छात्र छात्राओं के मार्गदर्शन हेतु रक्षा अध्ययन विभाग के प्रोफेसर आर बी एस बघेल विभागाध्यक्ष, डॉ धर्मेन्द्र कुमार

शुक्ल, असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ अमित कुमार शुक्ल, असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ अनुपमा श्रीवास्तव, अतिथि प्रवक्ता तथा श्री सुजीत सिंह, अतिथि प्रवक्ता उपस्थित रहे।

दर्शन गर्न पाल्नु भएका
भक्त भगवानहरूलाई
हार्दिक स्वागत

नेपाल राष्ट्र बैंक